Samyak
An Institute For Civil Services

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि - 03/A1

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 200**

राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य, परम्परा और धरोहर
Raj. History, Art, Culture, Literature, Tradition and Heritage of Rajasthan

Paper - I^st (Unit-I)

Name :		MARKS	
Enroll. No.:	Part	Attempted Questions	Marks Obtained
Date of Birth : 05-03-1998	Part - A	24	27½
Medium : हिन्दी	Part - B	16	39½
Email : Viratmehariya.1998@gmail.com	Part - C	7	45
Exam Date : 29-10-2023	Total		112
Invigilators Signature :			
ECN: / RCN:	Hindi: 13½	English: 6	

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
   Please check the booklet before commencement of the exam.
2. दिये गये रिक्त स्थान में निर्देशित शब्द सीमा में उत्तर दें।
   Write the answers according to the prescribed word limit, in the space given.
3. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
   The marking scheme is given at the start of every section.
4. परीक्षा के पश्चात् उत्तर पुस्तिका हॉल अधीक्षक को सौंप दें।
   Return the answer booklet to the hall superintendent after completing the paper.

SAMYAK, Near Riddhi Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur, 9875170111
Test Series Helpline & Whatsapp - 9414988860, Email Id - samyaktestseries@gmail.com

		Good	Above Average	Average	Below Average
1.	**DOES THE ANSWER ADDRESS THE DEMAND OF THE QUESTION?**			✓	
a.	**Answer Relevancy**		✓		
b.	**Answer Enrichment** points like use of: · **Key Terms/** Subject Vocabulary. Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc.		✓		✓
	Association with the Current Affairs and **use of examples** to explain the concept and idea				✓
2.	**HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?**	✓			
a.	**Structure** - Intro, Body, Conclusion			✓	
b.	**Presentation** – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps			✓	
c.	**Language & Grammar**		✓		
d.	**Word limit**		✓		

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव :-

1. शानदार प्रयास है।
2.
3. कोशिश करे कि उत्तर लाईनों से बाहर
4. ना जाए।
5. 2 नंबर वाले सवालों में ब्लंडर से बचे
6.
7. सन व लेखकों की कृतिया याद करें
8. व उनको साथ-साथ लिखते रहें।
9. Good!
10.
11.

SAMYAK, Near Riddhi Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur, 9875170111
Test Series Helpline & Whatsapp - 9414988860, Email Id - samyaktestseries@gmail.com

Comment

Note : Answer the following questions in 15 words. Each question carries 2 marks.
नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 15 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. दलाराम बाग संग्रहालय क्यों प्रसिद्ध है?
Why is Dalaram Bagh Museum famous?

दलाराम संग्रहालय राजस्थान की महत्वपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनीतिक धरोहर को सहजने में योगदान देने हेतु प्रसिद्ध है।

(1)

वर्तमान स्थिति का भी उल्लेख करे
आमेर में है।
1940

2. दिल्ली-शिवालिक अभिलेख से किस चौहान शासक के बारे में जानकारी मिलती है? शिलालेख की मुख्य विषयवस्तु क्या है?
Information about which Chauhan ruler is obtained from the Delhi-Shivalik inscription? What is the main subject matter of the inscription?

दिल्ली शिवालिक अभिलेख में पृथ्वीराज तृतीय शासक के बारे में जानकारी मिलती है।

(0)

विग्रहराज चतुर्थ
राज्य की सीमा दिल्ली

3. राजस्थानी साहित्य की 'मरस्या' और 'दवावैत/दवावेत' शैली के एक-एक उदाहरण लिखिए।
Write two examples each of 'Marsya' and 'Dawavait' style of Rajasthani literature.

मरस्या – राजा या विशेष व्यक्ति की मृत्यु होने पर याद में लिखा जाता है।
उदा. राणा जगपत रा मरस्या
दवावेत – उर्दू व फारसी शब्दों के प्रयोग के साथ बात कहने की कला।
अमरसिंह की दवावैत

(2)

Good

Comment

4. रसिया जी की छतरी।
Rasiya Ji Ki Chhatri.

13वीं शताब्दी में नरसिंह वर्मा द्वारा निर्मित छतरी। यह छतरी अपनी स्थापत्य तथा शिल्प के लिए प्रसिद्ध है। यह चित्तौड़गढ़ सिंह में स्थित है।

1½

5. 'बीकानेर षड़यंत्र मुकदमा' क्या था?
What was 'Bikaner Conspiracy Case'?

बीकानेर

बिकानेर नरेश गंगासिंह के लंदन जाने पर "बीकानेर - दिग् दर्शन" नाम से पेम्पलेट छपवाकर बंटवा दिए थे। जिसके तहत महाराजा ने बीकानेर षड़यंत्र मुकदमा चलाकर सत्यनारायण सराफ, चन्दनमल बहड़, रघुवरदयाल को कैद कर दिया था।

2

Good

6. 'भवाई' नाट्य क्या है?
What is 'Bhavai' drama?

भवाई राजस्थान का एक प्रसिद्ध लोकनाट्य है जो गुजरात से सटे इलाको दक्षिण-पश्चिम राजस्थान तथा बाड़मेर जालौर में प्रसिद्ध है। इसमें नृत्य कलाकार सिर पर एक के ऊपर एक बहुत घड़े लेकर नृत्य कला का प्रदर्शन करते है।

½

गलत लिखने से बचें। उदयपुर में है।

Samyak
An Institute For Civil Services

Comment

7. 'जट-कतराई'
'Jat-Katrai'

जट-कतराई राजस्थान के बाड़मेर में प्रसिद्ध बुनाई की एक कला है। जिसमें बकरी, भेड़ की ऊन को कातकर बुनाई करके कपड़े, गलीचा, दरी आदि का निर्माण किया जाता है।

(2)

8. एल.पी. टैसीटोरी का राजस्थानी साहित्य में क्या योगदान रहा है?
What has been the contribution of L.P. Tessitori to Rajasthani literature?

(1)

एल.पी. टैसीटोरी ने राजस्थानी साहित्य तथा भाषा के संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उन्होंने राजस्थानी परम्पराओं, रीतिरिवाजों तथा सामाजिक जीवन में पुस्तकों की रचना की।

इटली

पुस्तकों के नाम लिखे। मूल: इटली से है।

9. 'अभिनव भारत समिति'
'Abhinav Bharat Society'

(1)

अभिनव भारत समिति की स्थापना केसरी सिंह बारहठ द्वारा 20वीं सदी शुरुआत में की गई थी। जिसका उद्देश्य क्रान्तिकारी गतिविधियों को बढ़ावा देकर देश को आजाद कराना था।

1905

अन्य सदस्यों के नाम भी लिखे।

Comment

10. अंजना देवी चौधरी राजस्थान के इतिहास में क्यों प्रसिद्ध हैं?
Why is Anjana Devi Chaudhary famous in the history of Rajasthan?

अंजना देवी चौधरी रामनारायण चौधरी की पत्नी है। प्रसिद्ध ⇒ प्रजामण्डल आन्दोलन मे बढ़ चढ़ कर भाग लिया। ⇒ बिजौलिया किसान आन्दोलन में मुख्य भूमिका निभाई ⇒ स्त्रीयो की शिक्षा तथा उत्थान हेतु कार्य किया।

1½

अच्छा उत्तर है

11. मण्डन की वास्तुकला संबंधित रचनाओं के नाम लिखो।
Write the names of the works of Mandan related to architecture.

2

1. वास्तुमण्डन
2. देवालयमण्डन
3. मूर्तिमण्डन
4. प्रसादमण्डन

प्रासाद

12. कुराड़ा के खनन से क्या सामग्री प्राप्त हुई है? यह सभ्यता किस काल की है?
What material has been obtained from the mining of Kurada? Which period does this civilization belong to?

0

स्वयं एक जिला है।

कुराड़ा नागौर जिले के डिडवाना तहसील मे स्थित लौह युगीन सभ्यता है। जिसमे लौह से बने उपकरण, मिट्टी के मृद्भाण्ड लौह भट्टियां आदि प्राप्त हुई।

यह परबतसर में है। ताम्रयुगीन है लौहयुगीन नही

Comment

13. 'शाहपुरा प्रजामंडल'
'Shahpura Prajamandal'

Year

अध्यक्ष नाम लिखे - रमेश चंद्र ओझा

शाहपुरा प्रजामण्डल गोकुललाल असावा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रजामण्डल के प्रयासों से ही शाहपुरा में आजादी पूर्व ही स्वशासन की स्थापना हो गयी थी।

1/2

14. 'राजमहल के युद्ध' का तत्कालीन राजस्थान की राजनीति में क्या महत्त्व है?
What is the significance of 'Battle Of Rajmahal' in the politics of the then Rajasthan?

(ईश्वरी सिंह तथा माधोसिंह II के बीच)

राजमहल के युद्ध (1748) की वजह से राजस्थान में मराठों का हस्तक्षेप बढ़ा। तथा मराठों ने राजपूत रियासतों में लूट की भगदड़ मचा दी। जिससे रियासतों में अव्यवस्था तथा अशांति बढ़ा हो गई।

1

1747 में हुआ

15. भोमट भील आंदोलन?
Bhomat Bhil Movement?

भोमट भील आन्दोलन मेवाड़ तथा वागड़ अंचल में अंग्रेजी हुकूमत की शोषणकारी नीतियों के खिलाफ भीलों द्वारा किया गया। वजह ⇒ अपने पारम्परिक अधिकार पाने हेतु, शोषणकारी नीतियों से छुटकारा पाने हेतु।

छुटकारा

1

सन् व नेता का नाम भी साथ-साथ लिखे

Comment

16. राजस्थान के किन्हीं चार निर्गुण भक्ति संप्रदायों का नामोल्लेख कीजिए।
Mention any four Nirguna Bhakti sects of Rajasthan.

1. निरंजनी सम्प्रदाय - हरिदास जी
2. लालदासी सम्प्रदाय - लालदास जी
3. गुदड़ सम्प्रदाय - संतदास जी
4. दादू पंथी - दादू दयालजी।
5. जसनाथी सम्प्रदाय - जसनाथ जी।

(2)

17. 'कुरजाँ' गीत का मूल भाव स्पष्ट करें।
Explain the basic meaning of the song 'Kurjaan'.

कुरजां गीत - परदेश में गए हुए पति की याद में गाया जाता है जिसमें प्रेयसी अपने पति को घर आने के लिए कुरजां गीत से सम्बोधित करती है।

(1)

18. धींगा गणगौर
Dhinga Gangaur

मेवाड़ व मारवाड़

धींगा गणगौर उदयपुर की प्रसिद्ध है जिसमें पूरे शहर में गणगौर की सवारी निकाली जाती है। इस सवारी के समय राजस्थान का सामाजिक ताना-बाना के अद्भुत दृश्य देखने को मिलते है।

(0)

स्थान का भी नाम लिखे कि कब मनाया जाता है (वैशाख कृष्ण तृतीय को मनायी जाती है)

19. संत सुंदरदास जी के प्रमुख ग्रंथ कौन-कौन से हैं?
What are the main books of Saint Sunderdas ji?

संत सुंदरदास जी दादूदयाल के शिष्य थे। उन्होने दादूजी के विचारों तथा शिक्षाओं को जन जन तक पहुँचाने में भूमिका निभाई।
ग्रंथ- सुंदरदास पच्ची, दोहा सुंदरदास रा दादू का दोहा आदि।

ज्ञान समुद्र, सुंदर विलास

20. वॉल्टर राजपूत हितकारिणी सभा की स्थापना का मूल उद्देश्य क्या था?
What was the original objective of establishing Walter Rajput Hitkarini Sabha?

1887

वाल्टरकृत राजपूत हितकारिणी सभा 1888 में स्थापित की गई थी उद्देश्य –
(1) राजपूतो की शादियों मे हो रहे व्यय को कम करना
(2) भ्रूण हत्या (कन्या वध पर रोक लगाना।
(3) शिक्षा पर जोर देना (4) समाज में जनजागृती पैदा करना

21. रणथंभौर के शासक हम्मीर के शासनकाल की जानकारी देने वाले ग्रंथ और उनके लेखकों के नाम बताइए।
Name the texts and their authors that give information about the reign of ruler of Ranthambore, Hammir.

ग्रंथ	लेखक
हम्मीर रासो	जोधराज / सारंगधर
हम्मीर हठ	चन्द्रशेखर वाजपेयी
हम्मीर मर्दमर्दन	जयसिंह सूरि
हम्मीरायण	भाण्ड व्यास

Comment

22. 'घोड़ा-बावसी'
'Ghoda-Bavasi'

23. डाबड़ा किसान आंदोलन
Dabra Peasant movement

डाबड़ा किसान आन्दोलन मार्च 1947 में डिडवाना परगना में हुआ। इसमें प्रजामण्डल के सदस्य तथा किसान सभा के सदस्यों द्वारा किसान महासभा में भाग लेने हेतु डिडवाना आए तो जागीरदार ने उन पर धार वाले हथियारों से वार करके उन्हें घायल कर दिया।

मथुरादास माथुर नेतृत्व में यह आंदोलन हुआ

(1½)

24. शंकर राव देव समिति
Shankar Rao Dev Committee

शंकरराव देव समिति की स्थापना राजस्थान एकीकरण के समय मत्स्य संघ (अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली) के बारे में निर्णय करने हेतु गठित की गई थी।
इसी समिति की सिफारिश पर मत्स्य संघ का विलय (पंचम चरण 15 मई 1949) को राजस्थान में हुआ।

(2)

25. 'बांगड़ के धणी'
'Bangar Ke Dhani'

नरहड़ पीर (शक्कर पीर बाबा) को बांगड़ का धणी कहा जाता है।
प्रमुख पीठ - झुन्झुनु
सद्भावना व सर्वधर्मसमभाव तथा नैतिकता की शिक्षा दी।

(2)

मिर्गी रोग के उपचार

Note : Answer the following questions in 50 words. Each question carries 5 marks.
नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. ओझियाणा सभ्यता से प्राप्त पुरातात्विक वस्तुएँ इतिहास को जानने में किस प्रकार सहायक हैं?
How are the archaeological objects found from Ozhiyana civilization helpful in knowing history?

(3)

ओझियाणा सभ्यता भीलवाड़ा में स्थित एक पुरातात्विक स्थल है। इसमें प्राप्त पुरातात्विक वस्तुएं -
⇒ ओझियाना बुल की मृण्मूर्ति
⇒ मिट्टी के मृद्भाण्ड
⇒ चांदी की मुद्राएं
⇒ 11 कमरों का बड़ा हॉल
⇒ लौह तथा चांदी के उपकरण।
⇒ पत्थर की गोलियां
⇒ शवाधान की विधियां।
इन सभी से उस समय की सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक ताने-बाने को जानने में सहायता मिलती है।

सन् 2000 में B.R. मिश्रा ने उत्खनन किया
⇒ सिलबट्टा
⇒ गोल छेदवाला पत्थर
ये भी लिखो साथ में

Comment

2. गुर्जर-प्रतिहार शासक वत्सराज की प्रमुख सांस्कृतिक उपलब्धियों का चित्रण कीजिए।
Describe the major cultural achievements of the Gurjara-Pratihara ruler Vatsaraja.

घटियाला अभिलेख ~~बिजौलिया अभिलेख~~ से प्राप्त जानकारी के अनुसार वत्सराज ने ओसिया के मन्दिर निर्माण करवाकर सांस्कृतिक कार्य को आगे बढ़ाया।

→ मारवाड़ अंचल में तालाब, बावड़िया बनवाकर पीने की उपलब्धता को सुनिश्चित किया।

→ धर्म तथा देश हित के लिए विदेशी आक्रमणकारियों को बाहर निकालने में भूमिका निभाई।

→ विद्वानों, लेखकों, कवियों को अपने दरबार मे प्रश्रय देकर सांस्कृतिक योगदान दिया।

3. राजस्थान में गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल में निर्मित मंदिरों की विशेषताएँ उदाहरण सहित स्पष्ट करें।
Explain with examples the characteristics of the temples built in Gupta and post-Gupta period in Rajasthan.

राजस्थान मे गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल में निर्मित मंदिरों का निर्माण नागर शैली मे हुआ। विशेषताएँ – वर्गाकार चबूतरा

→ एक साथ अनेक मन्दिर (पंचायतन शैली)

→ पिरामिडाकार गुम्बद

→ परिक्रमा हेतु वृत्ताकार पथ।

गुप्तकालीन मंदिर → झालावाड़ का शिव मन्दिर

गुप्तोत्तरकालीन मंदिर → बाड़ोली का शिव मन्दिर
सारणेश्वर मन्दिर

सार का उल्लेख मंदिरों के नाम कुल का नाम लिखो जानकारी मिलती है जैसे कुवलयमाला उद्योतन सूरी की अन्य मंदिर के नाम लिखो

Samyak
An Institute For Civil Services

(13)

Comment

4. सामंतवाद को परिभाषित कीजिए। सामंतवाद के प्रभावों की संक्षिप्त विवेचना करें।
Define feudalism. Briefly discuss the effects of feudalism.

2

सामंतवाद = राजाओ के भाई-बंधुओं तथा सगे संबंधियो को जागीर देकर उनके क्षेत्रो की प्रशासनिक व्यवस्था सौंपना सामन्तवाद कहलाता है। यह एक पिरामिडनुमा व्यवस्था है जिसमें राजा और सामन्त सब एक ही स्तर के है।

प्रभाव ⇒ दोहरी शासन व्यवस्था मे किसानो का शोषण अधिक
⇒ राजाओ को जरूरत के समय सेना तथा सैनिको की सुलभ उपलब्धता
⇒ राज्य की शान्ति व्यवस्था मे सहायक
⇒ राजस्व संग्रहण मे सुलभता

इस प्रकार सामन्त राजाओ को राज्यशासन चलाने मे सहयोगी सिद्ध हुए।

प्रभाव में सकारात्मक के साथ नकारात्मक भी लिखें

5. उन्नीसवीं सदी में राजस्थान में हुए भील विद्राहों के कारणों को रेखांकित कीजिए।
Outline the reasons for the Bhil revolts that took place in Rajasthan in the nineteenth century.

3

दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान मे (मेवाड़ और सिरोही वांगड़ मे)

कारण- 1. अंग्रेजो द्वारा भीलो के वन अधिकारो को समाप्त करना।
2. वनों के उत्पाद पर रोक लगाना। बिना अनुमति के वन उत्पाद एकत्रित नही कर सकते थे।
3. मावड़ी (महुआ से) पर रोक अर्थात शराब के संसाधनों के एकाधिकार पर चोट।
4. भीलो के प्रशासनिक क्षेत्र मे पुलिस चौकियो द्वारा नियंत्रण करने की कोशिश।
5. नन्नत सिंह द्वारा किए गए कार्य -
- जनगणना कार्य करवाना
- बोलाई तथा चौकीदार कर पर रोक
- डाकन प्रथा पर रोक
- सामाजिक सुधार कार्य

ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किये गए अत्याचार का उल्लेख करें
करों के नाम रखवाली व बोलाई

Comment

6. 1857 की क्रांति में सलूंबर और कोठारिया ठिकाने का क्या योगदान रहा है?
What was the contribution of Salumbar and Kotharia Thikana's in the revolution of 1857?

1857 की क्रांति मे सलूंबर तथा कोठारिया ठिकानो के शासकोने प्रत्यक्ष भाग ना लेकर अप्रत्यक्ष रूप से क्रांतिकारियो को बहुत सहायता की।
→ आऊवा पर अंग्रेजो के अधिकार के बाद कुशालसिंह को शरण देना।
→ क्रांतिकारियो को आर्थिक सहायता देना।
→ हथियार उपलब्ध करवाना।
→ राजाओ तथा अंग्रेजो के मध्य हो रहे गुप्त बातचीत/पत्राचार की महत्वपूर्ण जानकारी देना तथा गतिविधियो की जानकारी क्रांतिकारियो को देना
→ अनेक क्रांतिकारीयो को शरण देकर उन्हे सम्मानपूर्वक आजीविका हेतु जागीर देना।

(Comment: भूमिका के उत्तर लिखने से बचे। शासकों के नाम लिखे रावत जोधसिंह)

7. वैद्य मघाराम की प्रजामंडल आंदोलन से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख कीजिए।
Mention the major activities of Vaidya Magharam, related to Prajamandal movement.

वैद्य मघाराम ने बीकानेर प्रजामण्डल की स्थापना कोलकता मे करके प्रजामण्डल आन्दोलन मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई —
→ खादी तथा स्वदेशी उत्पादो को बढ़ावा दिया।
→ किसानो तथा आम जनता मे शोषणकारी राजतंत्र के खिलाफ जागृत किया।
→ कर तथा बेगार ना देने हेतु किसानो को प्रोत्साहित किया।
→ राज्य मे स्वशासन की मांग को जोरो से उठाया
→ शिक्षा तथा नारी उत्थान करके जनजागृती बढ़ायी।
इस प्रकार प्रजामण्डल के अनेक कार्यो मे सक्रिय भूमिका निभा कर जनता को जागरुक किया।

(Comment: पुस्तक का जिक्र करें - बोथी-जोशी)

Comment

8. कटराथल महिला सम्मेलन राजस्थान के किसान आंदोलनों में क्यों महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है? व्याख्या कीजिए।

Why does Katrathal Women's Conference hold an important place in the farmers' movements of Rajasthan? Explain. (अप्रैल 1934 में)

शेखावटी में सातिया के बास में जाट किसान महिलाओं के साथ जागीरदारों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के खिलाफ किशोरी देवी के नेतृत्व में कटराथल महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें 10 हजार महिलाओं ने भाग लिया। महत्वपूर्ण क्यों —

⇒ किसान आन्दोलन को एक नई ऊर्जा का संचार हुआ

⇒ महिलाओं ने भी अब किसान आन्दोलनों में भाग लेना शुरू कर दिया

⇒ नारी शिक्षा तथा नारी उत्थान के लिए जनजागरूकता बढ़ायी

⇒ किसान आन्दोलन को जन आन्दोलन का रूप दिया।

इस प्रकार इस सम्मेलन से किसान आन्दोलन और प्रखर हो गया

1 — गपकालो के बजाय fact लिखें। सामान्य बातों के स्थान वर्णनी बातें लिखें

9. खानवा के युद्ध में राणा सांगा की हार के कारण कौन-कौन से थे? इस युद्ध के राजपूताना की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़े?

What were the reasons for Rana Sanga's defeat in the battle of Khanwa? What effect did this war have on the politics of Rajputana? (मार्च 1527 में)

हार के कारण

⇒ राजपूत राजाओं में एकता का अभाव

⇒ सभी राजा तथा सामन्त अपनी-अपनी सेना के प्रति वफादार

⇒ रणनीति का अभाव → समन्वय की कमी।

⇒ युद्ध क्षेत्र में देरी से पहुँचना एक प्रमुख कारण।

⇒ पारम्परिक युद्ध पद्धति (बाबर की तुलगुमा पद्धति के सामने)

प्रभाव ⇒ राजपूत राजाओं पर अब मुगल शासन अधिक ताकतवर हो गया।

⇒ युद्ध में प्रमुख सामन्तों और राजाओं की मृत्यु से बाबर को साम्राज्य स्थापित करने में कोई कठिनाई नहीं।

⇒ एकसूत्र में बांधने वाले राजा की कमी हो गई।

इस प्रकार राजपूताना के सभी राजा अपने-अपने स्वार्थ सिद्धि हेतु मुगल शासन की आधीनता स्वीकार करने लगे।

3 — ठीक है

Comment

10. शेखावाटी क्षेत्र के प्रमुख क्षेत्रीय नृत्यों का संक्षिप्त में वर्णन करो।
Briefly describe the major regional dances of Shekhawati region.

(3)

(1) कच्छी घोड़ी - शेखावटी क्षेत्र मे विवाहादि मौके पर घोड़ी का स्वांग करके वीरतापूर्वक पुरुषो द्वारा किया जानेवाला नृत्य।

(2) गींदड़ नृत्य - शेखावटी, कुचामन आदि क्षेत्र में किया जाने वाले नृत्य जिसमे ढोल, डप, चंग आदि वाद्यों का प्रयोग किया जाता है।

(3) चंग नृत्य - चंग नृत्य में वृताकार घेरा बनाकार नृत्य किया जाता है। गलत का लिख

(4) बम नृत्य - इसमे ढोल के साथ नृत्य किया जाता है। भरतपुर का

(5) कठपूतली कला - इसमे कठपूतली कला द्वारा मनोरंजन किया जाता है। नृत्य है

11. मारवाड़ी भाषा की प्रमुख उप-बोलियाँ कौन-कौन सी हैं?
What are the main sub-dialects of Marwari language?

(2)

मारवाड़ी भाषा राजस्थान की प्रमुख भाषा है जो प्राचीन मारवाड़ रियासत मे प्रमुखत: बोली जाती है।

(1) मेवाड़ी - यह उदयपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद, चितौड़गढ़ मे बोले जाने वाली प्रमुख बोली है। स्वयं एक बोली है

(2) गोडवाड़ी - सिरोही जालौर अंचल मे बोले जाने वाली प्रमुख बोली है।

(3) बांगड़ी - गंगानगर - हनुमानगढ़ क्षेत्र मे बोले जाने वाली प्रमुख बोली।

(4) थटी - बाड़मेर क्षेत्र मे बोली जाने वाली बोली

(5) मोलानी - बाड़मेर क्षेत्र मे।

(6) शेखावटी - मारवाड़ी - ढूंढाड़ी का की उपबोली जो शेखावटी क्षेत्र, चुरू, सीकर, झुंझुनु मे बोली जाती है।

ढूंढाड़ी की उपबोली

12. जसनाथी संप्रदाय की मूल मान्यताओं को रेखांकित करें।
Outline the basic beliefs of Jasnathi sect.

प्रमुख पीठ (कतरियासर (बीकानेर)

3

इस सम्प्रदाय की स्थापना जसनाथ जी महाराज द्वारा की गई।
मान्यताएँ – ⇒ ईश्वर भक्ति पर बल।
⇒ आडम्बरों तथा अंधविश्वासों का विरोध
⇒ जाती प्रथा, ऊँच-नीच का विरोध
⇒ गृहस्थ जीवन में रहकर भी ईश्वर की भक्ति संभव
⇒ गुरु की आवश्यकता को बताया।
⇒ सामाजिक सद्भाव / एकता पर बल।
⇒ 36 नियमों को प्रतिपादित किया ⇒ सिंभूदड़ा, कोड़ा में संगृहित
⇒ अग्निनृत्य जसनाथी सिद्ध द्वारा।
इस प्रकार जन-जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जाल व मोर वृक्ष भी लिखे जो प्रमुख मान्यताएँ है।

13. राजस्थान साहित्य अकादमी और राजस्थान संस्कृत अकादमी के कार्यों व इनके द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कारों का उल्लेख करें।
Mention the works of Rajasthan Sahitya Academy and Rajasthan Sanskrit Academy and the awards given by them.

2½

उदयपुर

राजस्थान साहित्य अकादमी के कार्य ⇒ नए लेखकों को प्रोत्साहित करना, प्लेटफॉर्म प्रदान करना, सांस्कृतिक कार्यक्रम करना तथा जनजागृती फैलाना।
पुरस्कार – मीरा पुरस्कार, कन्हैयालाल सेठिया पुरस्कार, सुमनेश जोशी पुरस्कार
राजस्थान संस्कृत अकादमी के कार्य ⇒ संस्कृत भाषा को बढ़ावा देना, संस्कृत के लेखकों को प्रोत्साहित करना, सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा उत्साह बढ़ावा, प्लेटफॉर्म प्रदान करना।
पुरस्कार – माघ पुरस्कार

स्थापना का वर्ष लिखें।

संस्कृत ⇒ 1980

स्थापना व स्थान भी लिखे

राजरूपक, सूरजप्रकाश

Comment

14. कवि करणीदान का राजस्थानी भाषा के लिए क्या साहित्यिक योगदान रहा है?
What has been the literary contribution of poet Karanidan to Rajasthani language?

(3) कवि करणीदान ने राजस्थानी भाषा में अनेक पुस्तकों का सृजन करके राजस्थानी भाषा को समृद्ध बनाया तथा राजस्थानी लोक, जन-जीवन की विशेषताओं का आगे रखा। योगदान-
→ समाज में जनजागृती पैदा हुई।
→ समाज की तस्वीर को सबके सामने रखा।
→ भाषा के विकास मे सहयोग किया।
→ सांस्कृतिक गतिविधियों के द्वारा आमजन मे आत्मविश्वास पैदा किया।

प्रश्न की मांग के अनुसार उत्तर लिखे कवि के साथ राजा का नाम लिखे तथा अन्य के स्थान पर पुस्तकों के नाम लिखे

15. 'मांडणे' राजस्थानी संस्कृति व संस्कारों को परिलक्षित करते हैं- स्पष्ट कीजिए।
'Mandanas' reflects Rajasthani culture and traditions – explain.

(3) मांडणे राजस्थानी लोक कला है जिसमें घरों, दीवारों चौक-चूल्हो पर मांडणे बनाये जाते है। इसमें स्वास्तिक, आडी-तिरछी रेखाओं द्वारा अनेक आकृतियाँ तथा पगलिए आदि बनाकर रंगोसे भरे जाते है। जो अलग-अलग उत्सवों और त्योहारों मे अलग-अलग होते है। जिसमें राजस्थानी लोकजीवन की आम विशेषताएं देखी जा सकती है। उनके द्वारा प्रयुक्त रंग, रूप, आकृति आदि उनकी मान्यताओं को परिलक्षित करती है। अतः कहा जा सकता है कि मांडणे राजस्थानी संस्कृति व संस्कारों को परिलक्षित करते है।

Good
स्वास्तिक का चिह्न सोच

त्योहार

16. 'मत्स्य संघ' के राजस्थान में विलय के घटनाक्रम का चित्रण करें। (पंचम चरण राजस्थान एकीकरण का)
Describe the events of merger of 'Matsya Sangh' in Rajasthan.

मत्स्य संघ – 18 मार्च 1948 को बनाया गया जिसमें अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली रियासतों को मिलाया गया।
देश आजाद होने पर साम्प्रदायिक हिंसा भड़क गई जिसमें अलवर, भरतपुर की रियासतें भी अछूती नहीं रही इसी बीच इन रियासतों में राजस्थान और संयुक्त प्रांत में शामिल होने के स्वर उठने लगे। इसी के मद्देनजर रखते हुए शंकरराव देव समिति की स्थापना की गई जिसने मत्स्य संघ को राजस्थान में मिलाने की सिफारिश की।
15 मई 1949 में मत्स्य संघ को राजस्थान में मिला दिया।

3½

अच्छा उत्तर है लेकिन कोशिश करें कि साथ साथ PM, उद्घाटनकर्ता का भी नाम शामिल हो।

Note : Answer the following questions in 100 words. Each question carries 10 marks.
नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1. राजस्थान में राष्ट्रीय चेतना अथवा जनजागृति के उदय के कारणों की चर्चा कीजिए।
Discuss the reasons for the rise of national consciousness or public awareness in Rajasthan.

6

राजस्थान में राष्ट्रीय चेतना अथवा जनजागृति के उदय में कवियों, लेखकों, क्रांतिकारियों, आन्दोलनों राजाओं सबकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कारण –
(1) दयानन्द सरस्वती का आगमन – करौली रियासत के बुलावे पर दयानन्द सरस्वती राजस्थान आए तथा वैदिक यंत्रालय (अजमेर), परोपकारिणी सभा, आर्य समाज आदि की शाखाओं को राजस्थान में खोला। जिससे शिक्षा तथा जनजागृति में वृद्धि हुई।

समाचार पत्रों के साथ उनके संपादकों के नाम भी लिखिए

Comment

(2) 1857 की क्रांति – 28मई 1857 को नसीराबाद से विरोध की उठी लहर ने राजस्थान मे राष्ट्रीय चेतना जगाने तथा अंग्रेजों के विरुद्ध शोषणकारी शासन के विरुद्ध जनजाग्रती मे महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

(3) लेखको और कवियो – राजस्थानी लेखको और कवियो ने अपनी रचनाओ के माध्यम से राजस्थानी शासको और आम जनता मे स्वाभिमान को जिन्दा किया तथा जनजाग्रती पैदा की। उदा- बांकीदास, कविराजा श्यामदास, सूर्यमल्ल मीसण, दुलामी, केसरी सिंह बारहठ (चेतावनी रा चुंगट्या) आदि।

(4) समाचार पत्रो की भूमिका – समाचार पत्रो ने राष्ट्रीय चेतना तथा जनजाग्रती हेतु महत्वपूर्ण कार्य किए उदाहरण – भरतपुर का मजलूल सुधार, राजस्थान समाचार परोपकार, नवीन राजस्थान, तरुण राजस्थान, राजस्थान केसरी प्रताप आदि

(5) राजनीतिक संगठन – राजस्थान के शिक्षित युवाओ ने राजनीतिक संगठन बनाकर जनजाग्रती का कार्य किया। उदा. राजस्थान सेवा संघ, जैन वर्धमान संघ, अभिनव भारत सभा, परोपकारिणी सभा देश हितैषिणी सभा आदि।

(6) किसान तथा प्रजामण्डल आन्दोलन – किसानो तथा प्रजामण्डल आन्दोलन ने राजस्थान मे राष्ट्रीय चेतना तथा जन-जन को अंग्रेज विरोधि करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बिजौलिया किसान आन्दोलन, बेंगु किसान आन्दोलन, जयपुर, मारवाड़ प्रजामण्डल

(7) सामन्तो के विशेषाधिकारो का हनन – 1818 की संधि के बाद अंग्रेजो ने सामन्तो के विशेषाधिकारो पर प्रहार किया जिससे सामन्त अंग्रेजी विरोधी हो गए तथा राष्ट्रीय चेतना जगाने मे भूमिका निभाई।

इन सभी कारणो ने राष्ट्रीय चेतना तथा जनजाग्रती हेतु सामूहिक भूमिका निभाई।

अंग्रेजी शिक्षा के योगदान का वर्णन अन्य आगे सही उत्तर व शैली भी अच्छी है। word limit

2. जोधपुर के महाराज जसवंत सिंह और उनके समकालीन मुगल शासकों के साथ राजनीतिक संबंधों की व्याख्या करें।

Explain the political relations of Maharaja Jaswant Singh of Jodhpur with his contemporary Mughal rulers.

(6)

जोधपुर के महाराजा जसवंत सिंह एक विद्यानुरागी, साहसी और धर्मपरायण राजा थे। जसवंत सिंह मुगलकालीन शाहजहाँ तथा औरंगजेब के समकालीन जोधपुर के राजा थे।

शाहजहाँ के साथ संबंध – जसवंत सिंह शाहजहाँकालीन मुगल साम्राज्य का एक प्रमुख स्तम्भ थे ~~उन्होंने~~ उनको अनेक अभियानों हेतु शाहजहाँ ने भेजा था (अफगानिस्तान, दक्षिण भारत आदि)। इस समय जोधपुर-मुगल संबंध मधुर तथा शांत थे।

औरंगजेब के साथ संबंध – उत्तराधिकार युद्ध में जसवंत सिंह ने औरंगजेब के खिलाफ दाराशिकोह का साथ दिया। जिसमें दोनों के मध्य कटुता आ गई।

⇒ जजिया कर का प्रत्यक्ष विरोध किया।

⇒ तीर्थ यात्रा कर का विरोध किया।

⇒ मन्दिरों तथा मूर्तियों को तोड़ने के खिलाफ आवाज उठायी।

इन सभी औरंगजेब की नीतियों का विरोध करने के कारण जसवंत सिंह तथा औरंगजेब के मध्य संबंध अच्छे नहीं रहे थे इसी वजह से औरंगजेब ने उन्हें जामरूद की जागीर दी जो मारवाड़ से बहुत दूर थी वहीं 1678 में जसवंत सिंह की मृत्यु हुई।

⇒ इन सब के बावजूद मुगल-मारवाड़ में सामंजस्य बना रहा तथा औरंगजेब ने जसवंत सिंह के रहते हुए कोई कार्यवाई नहीं की उनकी मृत्यु के बाद जोधपुर को खालसा घोषित कर दिया।

युद्धों के नाम का उल्लेख और अधिक निखार ला सकता है।

अच्छा उत्तर।

(कोरशन भी लिखे कुफ्र का इस्तेमाल)

दूर गए

Comment

4½

3. राजस्थान की प्रमुख महिला संतों की समाज सुधार व धर्म सुधार में भूमिका का चित्रण कीजिए।

Describe the role of prominent women saints of Rajasthan in social reform and religious reform.

① मीरा बाई – 1498 मे जन्मी मीराबाई ने सगुण भक्ति द्वारा समाज मे आत्मविश्वास पैदा किया तथा नारी शक्ति उत्थान तथा रूढ़िवादी परम्पराओ को तोड़कर नारी सशक्तिकरण मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साहित्य मे पदावलियां प्रसिद्ध है।

② रानाबाई – हरसौर नागौर मे जन्मी रानाबाई को राजस्थान की दूसरी मीरा कहा जाता है। इन्होंने ईश्वर भक्ति, सच्चाई का स्थाप देते हुए अंधविश्वासों और कुरितियो का विरोध किया। समाज मे नैतिक शिक्षा को बढ़ाया। गुरु – चतुरदासजी महाराज

हरनावा

③ गवरी बाई – 'बांगड़ की मीरा' इन्होंने बांगड़ अन्चल में भक्ति परम्पराओं तथा नैतिक उत्थान करके सत्य पर जीवन जीने की प्रेरणा दी। उसी से प्रभावित होकर डुंगरपुर राजा शिवसिंह ने बालमुकुन्द मन्दिर बनवाया।

प्रयोग एकेश्वरवाद आडंबर को दूर किया
रचनाओं के नाम

④ सहजो बाई – चरणदासी सम्प्रदाय की महिला संत कृति-सहज प्रकाश ने ईश्वर भक्ति द्वारा समाज तथा धर्म सुधार किया।

⑤ दया बाई – चरणदासी सम्प्रदाय की महिला संत कृतियां – दयाबोध

इस प्रकार महिला संतों ने समाज सुधार मे नारी चेतना जाग्रत करके तथा धर्म सुधार मे नैतिकता पर बल देकर महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Samyak
An Institute For Civil Services

Comment

4. मध्यकालीन राजस्थान में भूमि के प्रकारों को स्पष्ट करते हुए राजस्व वसूली की प्रमुख प्रणालियों की विवेचना करें।

Explain the types of land in medieval Rajasthan and discuss the main systems of revenue collection.

जागीरदारों / सामन्तों की सहायता से राजस्व वसूली

पड़त

खालसा — भूमि के प्रकार — जागीर

सीधे राज्य के कर्मचारियों द्वारा राजस्व वसूली

धर्मार्थ (भोमिया) / अग्रहार

कोई राजस्व नहीं लिया जाता था।

राजस्व वसूली की प्रणालियां -

① लाटा - फसल के तैयार होकर काटने के बाद राजस्व रूपी भाग लिया जाता था।

② कूंता - खड़ी फसल में से ही भाग निर्धारित कर दिया जाता था।

③ बंटाई — इसमें फसल काटकर तैयार होने पर उनमें से निश्चित भाग राजस्व हिस्से के लिए निर्धारित करते थे।

④ भूमि रेख — भूमि के एक निश्चित भाग को राजस्व हेतु निर्धारित कर दिया जाता था।

⑤ पट्टा रेख — पट्टा रेख में भूमि की उपजाऊता के अनुसार राजस्व निर्धारित किया जाता था।

Good

भूमि के प्रकार को थोड़ा विस्तारित लिखें क्योंकि प्रश्न में मांग है कि प्रकार को स्पष्ट करें।

Comment

5. 'शेखावाटी के किसान आंदोलन राजस्थान के इतिहास में महत्त्वपूर्ण रहे हैं'- कथन के आलोक में शेखावाटी के प्रमुख किसान आंदोलनों का विवरण प्रस्तुत कीजिए।
In the light of the statement 'The farmer movements of Shekhawati have been important in the history of Rajasthan', present the details of the major farmer movements of Shekhawati.

शेखावटी के किसान आन्दोलनों की गूंज ब्रिटिश संसद तक पहुंची।

सीकर का किसान आन्दोलन — सीकर में जागीर द्वारा शोषण तथा कर वृद्धि के खिलाफ किसानों ने आन्दोलन छेड़ दिया। भूमि माप की जरीब को परिवर्तन करने का भी विरोध किया। नेता - सरदार हरलाल सिंह, रामनारायण चौधरी, भरतपुर ठाकुर देशराज आदि।

→ जयसिंहपुरा काण्ड — जयसिंहपुरा में किसानों पर जागीरदारों द्वारा किए गए हमले में किसान घायल हो गए। जिससे विरोध और तीव्र हो गया।

→ सोतिया का बांस — सोतिया के बांस में महिलाओं के साथ किया गया दुर्व्यवहार ने किसान आन्दोलन को उग्र कर दिया। जिसके फलस्वरूप 1934 में महिला सम्मेलन हुआ।

→ हनुमान सिंह पुरा घटना — हनुमानपुरा में भी जागीरदारों ने किसानों पर लाठी-डण्डों से अत्याचार किया।

→ सीकर किसान सम्मेलन, सीकर किसान पंच, झुन्झुनू किसान महासभा आदि द्वारा किसानों ने अपना विरोध प्रदर्शित किया।

इस प्रकार किसान आन्दोलन में शेखावटी किसान आन्दोलनों ने अपनी अलग पहचान बनायी।

Intro बेहतर करें (margin comment: कटराधार का उल्लेख प्रमुख रूप से करें)

6. प्रजामंडल आंदोलनों के प्रति कांग्रेस पार्टी के रूख की चर्चा करते हुए इन आंदोलनों के राजनीतिक और सामाजिक प्रभावों का वर्णन करें।
Discussing the attitude of the Congress Party towards the Prajamandal movements, describe the political and social effects of these movements.

6

प्रजामण्डल आन्दोलन रियासतो में काफी समय से चल रहे थे लेकिन कांग्रेस पार्टी रियासतो मे चल रहे आन्दोलनो को अपने हाथ मे नही लेना चाहती थी लेकिन 1938 मे (1939) हरिपुरा अधिवेशन तथा त्रिपुरी अधिवेशन मे सुभाष चन्द्र बोस की अध्यक्षता मे कांग्रेस ने अपना रुख परिवर्तन किया तथा रियासतो मे चल रहे आन्दोलनो को समर्थन किया और प्रजामण्डल आन्दोलन को प्रोत्साहित किया।

कांग्रेस के परिवर्तन को थोड़ा और स्पष्ट करे।

* राजनीतिक प्रभाव → कांग्रेस के समर्थन के बाद प्रत्येक रियासत मे प्रजामण्डल का गठन होना शुरू हुआ तथा
उदा- मेवाड़ प्रजामण्डल, करौली प्रजामण्डल, भरतपुर प्रजामण्डल आदि।
→ रियासतो में स्वशासन की मांग के लिए आन्दोलन होने शुरू हुए।
→ उत्तरदायी शासन की स्थापना हेतु राजाओ पर दबाव बनाने लगे।

प्रभाव को थोड़ा बेहतरीन बनाये।

सामाजिक प्रभाव → हरिजन तथा दलित उत्थान हेतु संस्थाएं बनने लगी उदा- सेवा संघ, खाण्डलाई आश्रम
→ नारी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाने लगा। उदा- वनस्थली मे जीवन कुटीर।
→ समाचार पत्रों की स्थापना हुई - त्यागभूमि, दीप आदि
इस प्रकार कांग्रेस के समर्थन के बाद प्रजामण्डल आन्दोलन ने रियासतो मे सामाजिक तथा राजनीतिक जनजागृति का कार्य किया।

Comment

7. किशनगढ़ शैली के प्रमुख चित्रकारों की चर्चा करते हुए इस शैली की मूलभूत विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।
Discussing the major painters of Kishangarh style, throw light on the basic characteristics of this style.

6

किशनगढ़ शैली मारवाड़ शैली की उपशैली है। जिसका विकास नागरीदास (सावन्तसिंह) के काल में सर्वाधिक हुआ। प्रमुख चित्रकार - मोरध्वज, सूरध्वज, निहालचंद, रामलाल आदि।

मूलभूत विशेषताएं -

⇒ कृष्ण भक्ति के कारण कृष्ण के बचपन तथा गोपियों के चित्रों की अधिकता।

⇒ राधा-कृष्ण के समान बनी-ठनी की चित्रकारी। भारत की मोनालिसा।

⇒ लाल-पीले-हरे रंगों का प्रयोग

⇒ नारी का चित्रण - पतली कमर, कपोलों तक खिंचे हुए नयन, तीखी नाक, उठी हुई चुबक आदि।

⇒ पुरुष का चित्रण - लम्बी मूंछें, राजसी पगड़ी ऊँचे कद; राजसी वेश-भूषा आदि।

⇒ राजसी वैभव तथा राजप्रसाद का चित्रण पर प्रभाव। भित्ति चित्र में सुनहरे रंगों का प्रयोग

⇒ प्राकृतिक परिवेश तथा बादलों का समन्वय

⇒ गरजते-बरसते आसमान में बादलों के साथ कृष्ण का चित्रण।

अन्य चित्रकारों के नाम भी लिखें।

डाक-टिकट का भी उल्लेख करें।

परिवेश

निष्कर्ष भी साथ-साथ लिखें।

1. निम्नांकित उपसर्गों के योग से दो-दो शब्द बनाइए- 5 अंक

(i) अति - अतिशय, अत्याचार (1/2)

(ii) अभि - अभिषेक, अभिसार (1/2)

(iii) प्रति - प्रतिहार, प्रतिवाद, प्रतिनियम (1/2)

(iv) वि - विहार, विकार, व्यास (1/2)

(v) अनु - अनुगमन, अनुसार (1/2)

(5)

2. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग पृथक कीजिए-

(i) अपेक्षा - अप + ईक्षा (1/2)

(ii) निरीह - निर् + ईह (1/2)

(iii) अनुदार - अन् + उदार उद् + दार (1/2)

(iv) बदबू - बद + बू (1/2)

(v) अवाप्ति - अव + आप्ति (1/2)

3. निम्नांकित प्रत्ययों का संयोग करते हुए दो-दो शब्द बनाइए- 5 अंक

(i) अनीय - रमणीय, सोचनीय (1/2)

(ii) आव - पहनाव, फुसफुसाव ×

(iii) आवट - पहनावट, सहनावट ×

(iv) इयल - मरियल, सड़ियल (1/2)

(v) इक - प्रशासनिक, औपनिवेशिक (1/2)

(3 1/2)

Comment

4. निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय पृथक् कीजिए।

(i) कौरव - कुरु + अ ✓ (1/2)

(ii) माहात्म्य - महात्मा + य ✓ (1/2)

(iii) सलाहकार- सलाह + कार ✓ (1/2)

(iv) दैत्य दैत + य ✓ दिति + य

(v) कबाड़ी कबाड़ + ई ✓ (1/2)

5. जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर (राजस्थान) की ओर से जिला पुलिस अधीक्षक मथुरा (उत्तर प्रदेश) को सीमावर्ती क्षेत्र में हो रही लूट-मार की समस्या के समाधान हेतु अर्द्धशासकीय पत्र लिखिए।

(5)

राज. सरकार

क ख ग

जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर

कार्यालय, जिला पुलिस अधीक्षक ~~मथुरा~~ भरतपुर

अ.शा. प.क्र. 13/2023

29-10-2023

विषय - लूटमार की समस्या के समाधान हेतु

सर, / प्रिय

मैं आपना (आपका) व्यक्तिगत ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कि ~~मथुरा~~ भरतपुर क्षेत्र मे हो रही लूटपाट से आम जनता को परेशानी हो रही है अतः इसको सुलझाने हेतु उचित कदम उठाएं।

निवेदन -

पुलिस अधिक्षक (अधीक्षक) मथुरा (अ ब स)

पुलिस अधिक्षक भरतपुर (क ख ग)

(A) Identify the error and rewrite the correct form of the following sentences: (Q. No. 1-5)

Marks 5

1. The pond near my house abounds by fish.

The Pond near my house abounds with fish.

2. Our house was broken in a few days ago but nothing was stolen.

Our house was broken in the few days ago but nothing was stolen. a few

3. The M.L.A has encroached upon the public land.

The M.L.A. has encroached over the public land. on

4. He died from a heart attack.

of a

He died by a heart attack

5. Please look out these words in the dictionary.

up these

please look at these words in the dictionary

(B) Identify the error and rewrite the correct form of the following sentences: (Q. No. 6-10)

Marks 5

6. Work hard lest you will fail.

should work hard lest you will fail

7. Shall you bring me a glass of water?

Will you me bring me a glass of water

8. You won't travel first class with a second class ticket.

You shout not travel first class with a second class ticket

9. Shall you live long!

can't

Will you live long! May you live

10. I shall not listen to you unless you talk sense.

I will not listen to you unless you talk sense.

won't

Comment

(C) Write a letter to the Superintendent of Police drawing his attention to the increasing number of criminal cases, violence and unlawful activities in your city (area) and the ineffectiveness of the local Thanas. (150 words) Marks 10

ABC cology
XYZ Vihar

5

29-10-2023

Superintendent of police
PQR City

Subject - Draw the attention toward unlawful activities.

Sir,

I want to drawing your attention to the increasing number of criminal cases, violence and unlawful activities. in our city and local area. because of this people are afraid. Please took. the required action to control this situation as soon as possible.

Thank you

yours Yours sincerly faithfully
(XPQ).

show ineffectiveness of local Thanas